

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ-बास जिला अलवर (राज0)

(प्रशासन गॉवो के संग अभियान ग्रा0प0 मुख्यालय माहॉद)

अध्यासित द्वारा :- श्री ओमप्रकाश सहारण (आर.ए.एस.)

दावा सं.	प्रवेश तिथि	निर्णय तिथि
क्र0/21	10.11.21	15.11.21

1. ताराचन्द पुत्र हरिसिंह
2. करणसिंह पुत्र श्री हरिसिंह जाति जाट निवासी जाटका तहसील किशनगढबास
:- वादीगण:-

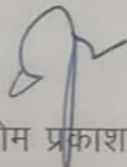
बनाम

1. राज0 राज्य सरकार जयेंजिलाधीश अलवर द्वारा पैरोकार तहसीलदार किशनगढबास
जिला अलवर राज0
:- प्रतिवादी:-

दावा इश्तकराहक मय दुरुस्ती
जेर दफा 88,89

पर्चा डिकी

वाद वादी विरुद्ध प्रतिवादी डिकी किया जाकर हाल जमाबंदी के ख0न0 खसरा सख्या 229, 51, 53, 750, 752, 610, 624, 666 वाके ग्राम जाटका व ख0न0 273, 92, 96, 190, 77, 94, 132, 274, 124 वाके ग्राम साहुबास व आराजी ख0न0 1/968, 1/983, 2, 3, 6 वाके ग्राम ओदरा तह0 किशनगढबास जिला अलवर में वादीगण के पिता का नाम सिंघाराम उर्फ सिंघाराम लिखा हुआ है उसे कलमजन किया जाकर हरीसिंह उर्फ सिंघाराम अंकित किया जाने के आदेश दिये जाते है तदनानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हो। खर्चा वाद वादीगण स्वयं वहन करेगे। पत्रावली फैसल सुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफतर हो।


(ओम प्रकाश सहारण)
उपखण्ड अधिकारी
किशनगढबास(अलवर)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ-बास जिला अलवर (राज0)

(प्रशासन गाँवों के संग अभियान ग्रा0प0 मुख्यालय माहौद)

अध्यासित द्वारा :- श्री ओमप्रकाश सहारण (आर.ए.एस.)

दावा सं.

प्रवेश तिथि +

निर्णय तिथि

170 A/21

10.11.21

15.11.21

1. ताराचन्द पुत्र हरिसिंह
 2. करणसिंह पुत्र श्री हरिसिंह जाति जाट निवासी जाटका तहसील किशनगढबास
- :- वादीगण:-

बनाम


1. राज0 राज्य सरकार जयजिलाधीश अलवर द्वारा पैरोकार तहसीलदार किशनगढबास जिला अलवर राज0
- :- प्रतिवादी:-

दावा इशतकराहक मय दुरुस्ती
जेर दफा 88,89

निर्णय

आज पत्रावली प्रशासन गाँवों के संग अभियान 2021 में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पेश हुई दावा वादी के सुक्ष्म वृत्तांत निम्न प्रकार है:-

आराजी ख0 न0 229,51, 53, 750, 752,610, 624, 666 वाके ग्राम जाटका व खसरा सं0 273,92,96,190,77,94,132,274,124 वाके ग्राम साहबास व आराजी ख0सं0 1/968, 1/983, 2,3,6 वाके ग्राम ओदरा तह0 किशनगढबास जिला अलवर स्थित है जो आराजी प्रस्तुत वाद में विवादित आराजी कहलावेगी। विवादित आराजी हम वादीगण की सह खातेदारी की आराजी है जिस पर हम वादीगण शान्ति पूर्वक काबिज व दखिल होकर काशत कारोबार करते चले आ रहे हैं मोकें पर हम वादीगण का वास्तविक कब्जा है तथा फसल काशत की हुई है एवं राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हो रहा है। तथा लगान एवं राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हो रहा है। तथा लगान एवं राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हो रहा है। हम वादीगण के पिताजी श्री हरीसिंह जी के दो नाम थे जिन्हें गाँव में सिघाराम उर्फ सिंहाराम के नाम से बोलते थे। किन्तु हम वादीगण के पिता का वास्तविक नाम हरीसिंह जो नाम हमारे आधार कार्ड वोटर लिस्ट राशन पहचान पत्र आदि में तथा अन्य सह खातेदारी की आराजीयात में हरीसिंह ही अंकित है। लेकिन विवादित आराजी के राजस्व रिकार्ड में गाँव में बोलता नाम सिंघाराम उर्फ सिंहाराम अंकित हो गया है जो अंकन सहवन से गलत हुआ है जबकि हम वादीगण के पिता का वास्तविक नाम हरीसिंह है इसलिये हम वादीगण यह घोषणा कराने के हकदार हैं कि जिसके लिये दावा हाजा दायर करना लाजिम आया है। हम वादीगण ने प्रतिवादी के कार्यालय में अनेको बार चक्कर लगाये तथा राजस्व रिकार्ड में पिता का नाम शुद्ध करने के लिए आग्रह किया किन्तु हर बार प्रतिवादी टालबाल कर समय निकालते रहे तथा दिनांक 20.10.21 को प्रतिवादी नाम शुद्ध करने से


उपखण्ड अधिकारी
किशनगढबास (अलवर)

स्पष्ट तौर पर इन्कार हो गये वादीगण को बेदखल करने की तथा विवादित आराजी को कब्जे राज लेने की धमकी दी जिसमें अविलम्ब ही दावा हाजा दायर करना लाजिम आया। कानूनन प्रतिवादी के विरुद्ध वाद दायर करने से पूर्व उन्हें नोटिस 80 जा0दी0 दिया जाना आवश्यक है किन्तु प्रतिवादी हम वादीगण को विवादित आराजी से बेदखल कर आराजी मुतदाविया को कब्जे राज लेने पर आमदा है, मामला अत्यन्त आवश्यक नेचर का है इसलिए बिला नोटिस ही दावा हाजा लाजिम आया है प्रार्थना पत्र 80(2) जा0दी0 हमराह वाद पत्र है।

अंत में वादीगण, ने अपने वाद को निम्न प्रकार डिकी किये जाने की प्रार्थना की है:-

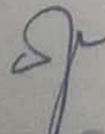
अ. डिकी इजराय इशतकराहक बहक वादीगण विरुद्ध प्रतिवादी सादिर फरमाई जाकर घोषित किया जावे कि वादीगण के पिता का शुद्ध नाम सिंधाराम उर्फ सिहाराम ना होकर हरीसिंह है तथा विवादित आराजी हाल खसरा सख्या 229, 51, 53, 750, 752, 810, 624, 666 वाके ग्राम जाटका व ख0न0 273, 92, 96, 190, 77, 94, 132, 274, 124 वाके ग्राम साहुबास व आराजी ख0स0 1/988, 1/983, 2, 3, 8 वाके ग्राम ओदरा तह0 किशनगढबास जिला अलवर में वादीगण के पिता का नाम हरीसिंह के स्थान पर सिंधाराम उर्फ सिहाराम लिखा हुआ है उसे हजफ किया जाकर हरीसिंह अंकित फरमाया जावे।

ब. दीगर दादेरसी अता फरमाई जावे।

दावा प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जरिये सम्मन तलब किया गया। वादीगण ने अपने वाद की पुष्टि में नकल जमांबंदी हाल, नामांतकरण वाके ग्राम जाटका दिनांक 12.6.81, नामांतकरण ग्राम पंचायत माहोद दिनांक 5.7.13 में वादीगण के भाई मृतक हरफूल विरास्त का इंतकाल में भी हरफूल पुत्र हरीसिंह उर्फ सिहाराम दर्ज है। वादीगण ने अपना आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड, तथा मतदाता सूची पेश की है।

आज प्रशासन गाँवी के संग अभियान-2021 में ग्राम पंचायत मुख्यालय माहोद पर वादीगण उपस्थित हुए, वादीगण को सुना गया। तथा पैरोकार सरकार को भी सुना गया। वादीगण ने बताया कि आराजी विवादित में वादीगण के पिता का नाम हरीसिंह के स्थान पर सिंधाराम उर्फ सिहाराम लिखा हुआ है उसे हजफ किया जाकर हरीसिंह अंकित फरमाया जावे।

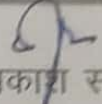
पक्षकारान को सुनने के पश्चात हमने पत्रावली को अवलोकन किया। पत्रावली में पस्तुत नकल जमांबंदी हाल वाके ग्राम माहोद के खाता सं0 85, 12, 11, 10 में वादीगण के पिता का नाम हरीसिंह दर्ज है एवं नामांतकरण दिनांक 12.6.81 में भी वादीगण के पिता का नाम हरीसिंह दर्ज है तथा वादीगण के भाई मृतक हरफूल की विरास्त इंतकाल दिनांक 5.7.13 में भी वादीगण के पिता का नाम हरीसिंह उर्फ सिहाराम दर्ज है। वादीगण के आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड, तथा मतदाता सूची से भी साबित है कि वादीगण के पिता का नाम सिंधाराम उर्फ सिहाराम की जगह सही नाम हरीसिंह है। इस प्रकार वादीगण का वाद मली भाति साबित होता है। वाद डिकी किया जाना कानून संगत एवं न्यायोचित प्रतीत होता है।


अधिकारी
किशनगढबास (अलवर)

अतः आदेश है कि:-

वाद वादी विरुद्ध प्रतिवादी डिकी किया जाकर हाल जमाबंदी के ख0न0 खसरा संख्या 229, 51, 53, 750, 752, 610, 624, 666 वाके ग्राम जाटका व ख0न0 273, 92, 96, 190, 77, 94, 132, 274, 124 वाके ग्राम साहुवास व औराजी ख0न0 1/968, 1/983, 2, 3, 8 वाके ग्राम ओदरा तह0 किशनगढबास जिला अलवर में वादीगण के पिता का नाम सिंधाराम, उर्फ सिंधाराम लिखा हुआ है उसे कलमजन किया जाकर हरीसिंह उर्फ सिंधाराम अंकित किया जाने के आदेश दिये जाते हैं. तदनानुसार ही राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद हो। खर्चा वाद वादीगण स्वयं वहन करेगे। पर्चा डिकी मुर्तल हो। प्रत्रावली फैसल सुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफतर हो।

यह निर्णय आज दिनांक 15.11.2021 को मेरे द्वारा टंकित कराया जाकर प्रशासन गौवो के संग अभियान-2021 में ग्राम पंचायत मुख्यालय माहोद पर सुनाया गया।


(ओम प्रकाश सहारण)
उपखण्ड अधिकारी
किशनगढबास(अलवर)